विश्व में मत्स्य उत्पादन के प्रमुख देश

Important Fishing Countries of the World

विश्व के समुद्री तथा स्थलीय जलाशयों से कुल मिलकर 1000 से 1200 लाख मीटरी टन तक मछलियों का उत्पादन प्रतिवर्ष होता है। 2018 में विश्व में कुल मत्स्य उत्पादन 178.8 लाख मीटरी टन था।

मत्स्योत्पादन (लाख मीटरी टन में)

वर्ष	उत्पादन (लाख मीटरी टन में)
2018	178.8
2017	175.1
2016	170.9
2015	169.2
2014	164.8
2013	162.9
2012	157.8
2011	155.5
2010	148.1

मछलियों के वार्षिक उत्पादन में विश्व तथा देश दोनों स्तरों पर उल्लेखनीय उतार-चढ़ाव देखने को मिलता है। वर्तमान समय में चीन विश्व का वृहत्तम मत्स्य उत्पादक देश है। मत्स्य उत्पादन की दृष्टि से चीन के पश्चात् क्रमशः भरत, जापान, संयुक्त राज्य अमेरिका, रूस, इण्डोनेशिया, पीरू, चिली, थाईलैण्ड, नार्वे, दक्षिण कोरिया, फिलीपाइन्स आदि देश आते हैं। इन देशों में प्रतिवर्ष सामान्यतः 20 लाख मीटरी टन से अधिक मत्स्य उत्पादन होता है। 20 टन से कम मछली उत्पादक देशों में आइसलैण्ड, वियतनाम, डेनमार्क, बांगलादेश, मलेशिया, मैक्सिको, कनाडा, अर्जनटाइना, यूनाइटेड किंगडम आदि देश सम्मिलित हैं।

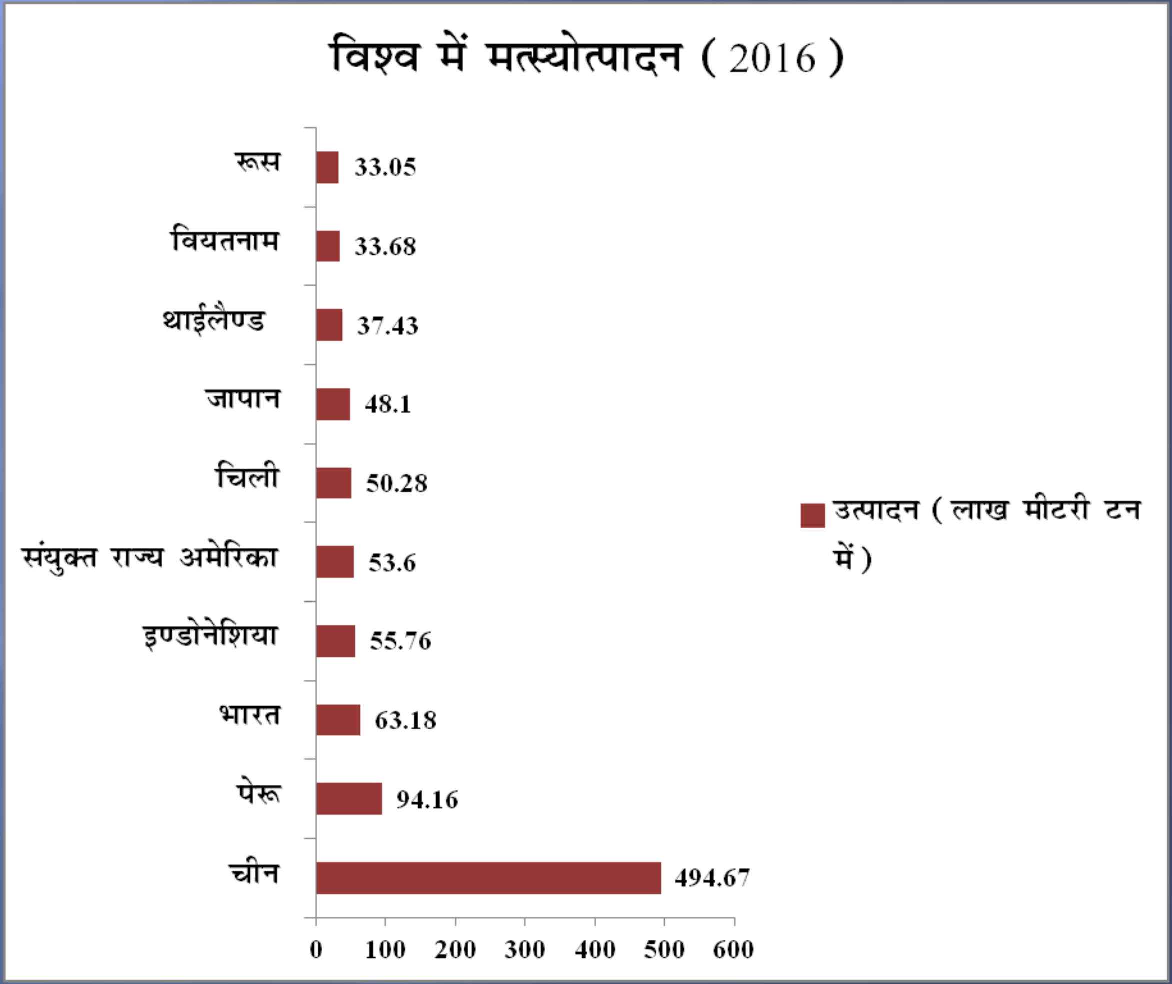

विश्व में मत्स्योत्पादन (2016)
रूस
33.05
वियतनाम
33.68
थाईलैण्ड
37.43
जापान
48.1
चिली
50.28
संयुक्त राज्य अमेरिका
53.6
इण्डोनेशिया
55.76
भारत
63.18
पेरू
94.16
चीन
494.67
0
100
200
300
400
500
600
उत्पादन (लाख मीटरी टन में)

विश्व के वृहत् मत्स्य उत्पादक देशों का संक्षिप्त विवरण अग्रांकित है–

1. **चीन**– चीन विश्व का वृहत्तम मत्स्योत्पादक देश है जो विश्व का 37 % से अधिक मत्स्योत्पादन करता है। यहां मांस वाले पशुओं की कमी को मछली द्वारा पूरा किया जाता है। देश की लम्बी तथा कटी–फटी तटरेखा, विस्तृत मग्नतट तथा तटवर्ती धाराओं की उपस्थिति मत्स्योत्पादन के लिए प्रेरक दशाएँ हैं। किन्तु यहां तटवर्ती क्षेत्रों तथा अन्तःस्थलीय क्षेत्रों के मत्स्य संसाधनों का पूर्णतः दोहन नहीं हुआ है। मत्स्य प्राप्ति के प्रमुख क्षेत्र शांघाई के निकट से लेकर दक्षिण में हैनान द्वीप तक लगभग 4800 किमी की दूरी में विस्तृत है। यहां अयंत्रीकृत नौकाओं द्वारा मछलियां पकड़ी जाती है। शांघाई तथा कैन्टन प्रमुख मत्स्य पत्तन हैं। कैन्टन तथा मकाओ के मध्य विस्तृत सीक्यांग बेसिन तथा डेल्टा प्रदेश स्वच्छ जलीय मत्स्योत्पादन का सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्र है। वस्तुतः चीन में 'मत्स्य–संस्कृति' (aqua culture) का एक सुदीर्घ इतिहास रहा है। अधिकांश चीनी कृषक जलाशयों में मत्स्य पालन करते है।

2. **पेरू**– दक्षिण अमेरिका में पेरू तथा चिली प्रमुख मत्स्योत्पादक देश हैं, वस्तुतः पेरू विश्व का द्वितीय प्रमुख मत्स्योत्पादक देश है। यहां तटों के निकट ठण्डे समुद्रों में मछलियों की भारी मात्रा में प्राप्ति होती है। जिसमें वेलांचली (pelagic) मछलियां प्रमुख है। संरक्षण की उन्नत विधियों तथा परिवहन सुविधाओं के कारण मत्स्योत्पादन पेरू की 'अर्थव्यवस्था की कुंजी' बन गया है।

3. **भारत**- 1990 के दशक में भारत विश्व का तृतीय वृहत्तम मत्स्योत्पादक देश बन गया। यहां विश्व की 4 % से अधिक मछलियां पकड़ी जाती है। यहां तटवर्ती तथा खुले समुद्रों, नदियों, झोलों, जलाशयों आदि में मछलियां पकड़ी जाती है। किन्तु मत्स्योत्पादन में वैज्ञानिक विधियों का कम उपयोग होता है तथा तकनीकी सुविधाएँ भी अधिक सुलभ नहीं है।

4. **इण्डोनेशिया**– इण्डोनेशिया विश्व का सबसे अधिक द्वीपों वाला देश है। य द्वीप दक्षिण एशिया में हिन्द महासागर, प्रशान्त महासागर तथा चीन सागर के सीमावर्ती प्रदेश में दूर तक बिखरे हुए हैं। इन द्वीपों के मध्य में विशाल सागर, खाडियाँ तथा जलडमरूमध्य स्थित है। य दशायं मत्स्य उत्पादन के धनात्मक हैं। इण्डोनेशिया धोरे–धोरे विकास कर रहा है। अतः मत्स्य उत्पादन भी बढ़ रहा है। अब यह विश्व का चौथा प्रमुख उत्पादक देश बन गया है।

5. **संयुक्त राज्य अमेरिका**- मत्स्य उत्पादन में संयुक्त राज्य अमेरिका का पाँचवा स्थान है। यहा विश्व की 5.4% मछलिया पकड़ी जाती है। संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रशांत महासागरीय तटीय क्षेत्र से सामन, कॉड, हैलीवेट, पिल्कोर्ड एवं हैरिंग मछलिया पकड़ी जाती है। अटलांटिक तट पर गल्फ स्ट्रीम की गर्म एवं लेब्रेडोर की शीतल धारा के मिलने से स्थल पर ग्राण्ड बेंथ क्षेत्र से मछलिया पकड़ी जाती हैं, इसके अलावा सुपीरियर, मिशिगन, ह्यूरन, ईरी तथा ओण्टारियो नामक वृहद झोलों से भी मत्स्य उत्पादन प्राप्त होता है।

6. **चिली-** मछली पकड़ने के लिए चिली के पास पर्याप्त सुविधाएँ हैं। पर्याप्त मात्रा में कटा-फटा तट है। तट के पास अनेक खाडियाँ तथा सागरीय द्वीप है। जलवायु उत्तर में उष्ण तथा मध्य एवं दक्षिण में शीतोष्ण है। शीतल तट पर गरम जल की धारा तथा दूर तक फैला सागर है। वर्तमान में चिली विश्व का छठा प्रमुख मछली पकड़ने वाला देश है।

7. **जापान**- विश्व में मछली पकड़ने वाले राष्ट्रों में जापान का अग्रणी स्थान रहा है किन्तु विगत दशक में चीन, पेरू आदि देशों ने इसे पछाड दिया है। अब जापान विश्व में सातवें स्थान पर है। जापान में मत्स्य व्यवसाय के विकसित होने के प्रमुख कारण निम्नलिखित हैं-

(1) यहां सघन जनसंख्या के कारण खाद्य-पदार्थों की माँग अधिक है।

(2) यहां खाद्यानों का उत्पादन बहुत कम है, क्योंकि समस्त क्षेत्रफल की केवल 16% भूमि कृषि योग्य है।

(3) यहां सागर तटीय क्षेत्र उथले हैं, जो अनेक प्रकार की मछलियों के विकास के अनुकूल हैं।

(4) जापान के पास क्यराइल एवं क्यरोसिवो नामक ठण्डी व गरम धाराएँ बहती हैं, जो जल में प्लैंक्टन (मछलियों के भोजन) के विकास के लिए सर्वोत्तम दशाएँ प्रस्तुत करती है।

(5) जलपोतों के निर्माण में जापान अग्रणी राष्ट है।

(6) यहां के शीतोष्ण जलवाय मत्स्य के अनुकूल है।

(7) यहां भण्डारण और पैकिंग की सुविधाएँ समीपवर्ती क्षेत्रों में ही उपलब्ध हैं।

(8) सरकारी नीति भी मत्स्य उत्पादन को प्रोत्साहन देती है।

8. **थाईलैण्ड**- दक्षिण-पूर्व एशिया का यह देश वर्त्तमान में विश्व का आठवां बड़ा मछली पकड़ने वाला देश है। पिछले 20 वर्षों में थाईलैण्ड ने पर्याप्त विकास किया है। वर्ष 2000 में थाईलैण्ड का विश्व में पंद्रहवां स्थान था तथा एशिया में नौवां स्थान था। अब यह एशिया का पाँचवां प्रमुख देश है। थाईलैण्ड के मछली पकड़ने के प्रमुख क्षेत्रों में-

(1) श्याम की खाड़ी तथा उसका तटीय प्रदेश,

(2) (2) अण्डमान सागर का पूर्वी तट तथा

(3) (3) गहरा अण्डमान सागर का पूर्वी भाग है।

9. **वियतनाम**- वियतनाम दक्षिण-पूर्वी एशिया का लम्बी तट रेखा वाला देश है। इसका तट उत्तर में चीन से लेकर दक्षिण में श्याम की खाड़ी तक विस्तृत है। वियतनाम के मुख्य मछली क्षेत्र-

(1) टॉन्किन खाड़ी,

(2) दक्षिण-पूर्व में श्याम की खाड़ी,

(3) विस्तृत पूर्वी तट रेखा तथा

(4) दूर तक फैला हुआ दक्षिण-चीन सागर है।

10. **रूस**- रूस के तीन ओर सागर है तथा दो सागर उसके आन्तरिक भाग में स्थित है। देश की जलवायु शीतोष्ण तथा शीत होने के कारण मछली पकड़ने के अनुकूल है। देश के पूर्व में, उत्तरी पूर्वी एशिया का प्रसिद्ध मत्स्य क्षेत्र है। देश के प्रमुख मत्स्य क्षेत्र निम्नलिखित हैं-

(अ) **सुदूर पूर्व**- इस क्षेत्र से नवागा, फ्लाउण्डर, कॉड, हैरिंग तथा सामन मछलियां पकड़ी जाती है।

(ब) **बाल्टिक सागर**- बाल्टिक तथा वेरेन्टस सागर से हैरिंग, कॉड, हैरिंग तथा सामन मछलियां पकड़ी जाती है।

(स) **कैस्पियन सागर**- यह देश का आन्तरिक सागर है यहां से स्तूरगोन, हैरिंग, ब्रीम, कार्प, वोल्बा तथा पाईकपर्च आदि मछलियां पकड़ी जाती है।

(द) **अजोव व काला सागर**- यहां पर ब्रीम, हैरिंग तथा जान्डर आदि मछलियां पकड़ी जाती है।

उपरोक्त के अतिरिक्त पूर्व सोवियत संघ उत्तरी आर्कटिक सागर में भी मछलियां पकड़ने की योजनाएँ बना रहा है तथा देश के आन्तरिक भागों में नदियों तथा झीलों में भारी मात्रा में मछली पकड़ता है।

11. **यूरोप**- यूरोप के प्रमुख मत्स्योत्पादक नॉर्वे, डेन्मार्क, स्पेन, ब्रिटेन तथा आइसलैण्ड हैं। ये पाँच देश समस्त यूरोप की 75% से अधिक मछलियां पकड़ते हैं। इन देशों की स्थिति लम्बे कटे-फटे व उथले सागर तट तथा शीतोष्ण जलवायु दशाएँ और उन्नत टैक्नोलोजी मत्स्योत्पादन के अनुकूल हैं। इनके मत्स्य व्यवसाय का संक्षिप्त वर्णन अग्रलिखित है-

(अ) **नॉर्वे**- इस देश में मछली व्यवसाय की पर्याप्त उन्नति हो गयो है। यहां कॉड, हैरिंग, सारडाइन तथा मैकरल इत्यादि मछलियां अत्यधिक मात्रा में पकड़ी जाती है। यहां विश्व के कुल उत्पादन का 2% प्राप्त होता है। ट्रामसी, हैमरकेस्ट बर्जेन तथा नीदोरस मुख्य केन्द्र हैं।

(ब) **डेन्मार्क**- यह देश डेरी उद्योग के साथ ही मत्स्योत्पादन की दृष्टि से भी यूरोप में प्रमुख स्थान रखता है। प्रति वर्ष विश्व के कुल मछली उत्पादन का 2% प्राप्त होता है। डेन्मार्क का तटीय प्रदेश विस्तृत है। (1) पूर्व में बाल्टिक सागर में, तथा (11) पश्चिमी उत्तरी सागर और डागर बैंक पर मछलियां पकड़ी जाती है।

(स) **ब्रिटेन**- ब्रिटेन विश्व की 1.0% मछलियां पकड़ता है। वार्षिक उत्पादन लगभग 9 लाख मीटरी टन है। यह विश्व के सर्वश्रेष्ठ मछली प्राप्ति स्थान 'डागर बैंक' के पास है। अतः यहां के मछुवे डागर बैंक से कॉड और हैरिंग मछलियां पकड लाते हैं। ब्रिटेन में मैकरेल, लाब्स्टर, सामन और हेक मछलियां भी पकड़ी जाती हैं। लन्दन का विलिंग्सगेट बाजार मछली के क्रय-विक्रय का मुख्य मण्डी है, इस देश में मछली व्यवसाय के विकास के लिए शीत भण्डार और परिवहन की सुविधाएँ पत्तन और पोताश्रय प्राप्त है।